बिरसा मुंडा ट्रायबल युनिवर्सिटी
Birsa Munda Tribal University

राजपिपला, जि. नर्मदा Rajpipla, Dist. Narmada
Established by Tribal Development Department, Govt. of Gujarat

School of Arts
B.A. (ECONOMICS)Programme

Subject Code & Name: - BA02MIECO3 आधुनिक काव्यसरिता एवं व्याकरण

Teaching and Evaluation Scheme:

Teaching Scheme				Examination Scheme			
Credits				Component Weightage			
				CCE		SEE	
L	T	P	Total	TH	PWE	TH	PWE
4	-	-	4	50	--	50	--

Programme Name	B.A.
Semester	II
Course Code	BA02MIECO3
Course Title	आधुनिक काव्यसरिता एवं व्याकरण
Course Content Type (Th./Pr.)	Theory
Course Credit	4
Sessions+ Lab. Per Week	4
Total Teaching/Lab. Hours	60 Hours

Learning Objectives

1. छात्रगण हिन्दी कविता लेखन की परम्परा की विस्तृत जाने.
2. छात्रगण हिन्दी हालावादी कविता की मूल पृष्ठभूमि समझे.
3. छात्रगण हालावादी कवियों का जीवनवृत जाने.
4. छात्रगण हिन्दी हालावादी कवियों की प्राकृतिक चेतना की जाने.
5. छात्रगण संकलित कविताओ का भावार्थ समझे.
6. छात्रगण संकलित कविताओ में व्यक्त देशप्रेम की भावना को जाने
7. छात्रगण हिन्दी व्याकरण में वर्णमाला को विस्तार से समझे
8. छात्रगण हिन्दी उच्चारण अवयवो में आधार पर वर्णों को उच्चारण करे.

Learning Outcomes

On the Completion of this course, students will able to:

1. छात्रो ने हिन्दी कविता लेखन की परम्परा में छायावादी लेखन को जाना.
2. छात्रो ने हालावाद की पृष्ठभूमि की विस्तार से जाना.
3. छात्रो ने हिन्दी हालावादी लेखन में प्रकृति-चित्रण की महत्ता की जाना.
4. छात्रो ने हालावादी कविता में निरूपति प्रतीकात्मकता को जाना.
5. छात्रो ने हालावादी कविता के संदर्भ में अन्य आलोचकों के विचार जाना.
6. छात्रों ने संकलित कविताओ के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों को जाना.
7. छात्रो ने हिन्दी वर्णमाला में स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान प्राप्त किया.
   छात्रो में उच्चारण के आधार पर हिन्दी वर्णमाला का उच्चारण किया.

BIRSA MUNDA TRIBAL UNIVERSITY 52 Dist. Narmada

बिरसा मुंडा ट्रायबल युनिवर्सिटी
Birsa Munda Tribal University

राजपिपला, जि. नर्मदा Rajpipla, Dist. Narmada
Established by Tribal Development Department, Govt. of Gujarat

School of Arts
B.A. (ECONOMICS)Programme

Detailed Contents

UNIT	TOPIC/SUB-TOPIC	TEACHING HOURS
I	'मधुशाला' ➢ हरिवंशरे बच्चन का व्यकित्व एवं कृतित्व. ➢ भावपक्ष एवं कलापक्ष की द्रष्टि से 'मधुशाला' काव्य का मूल्यांकन ➢ 'मधुशाला' काव्य का भावार्थ ➢ हालावादी काव्य के संदर्भ में 'मधुशाला' का मूल्यांकन ➢ 'मधुशाला' काव्य में व्यक्त युगीन-चेतना 'ज़ो बित गई सो बात गई' ➢ 'ज़ो बित गई सो बात गई' कविता का भावार्थ ➢ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टी से 'जी बित गई सो बात गई' कविता का मूल्यांकन ➢ 'ज़ो बित गई सो बात गई' कविता में व्यक्त प्रतीकात्मकता	१५ घंटे
II	'कालिदास के प्रति' ➢ नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ➢ 'कालिदास के प्रति' कविता का भावार्थ ➢ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टी से 'कालिदास के प्रति' कविता का मूल्यांकन ➢ 'कालिदास के प्रति' कविता में व्यक्त कवि की भाव-प्रतिकात्मकता 'अकाल और उसके बाद' ➢ 'अकाल और उसके बाद' कविता अर्थ ➢ भावपक्ष एवं कलापक्ष मी दृष्टी से अकला और उसके बाद कविता मूल्यांकन ➢ 'अकाल और उसके बाद' कविता की व्यंग्यात्मकता ➢ 'अकाल और उसके बाद' कविता में अकाल का भीषण चित्रण	१५ घंटे
III	स्वर: <u>स्वर : स्वरों का वर्गीकरण</u> ➢ मात्रा,कालमान /उच्चारण के आधार पर स्वर के भेद या प्रकार ➢ व्युत्पती/स्त्रोत/बुनावट के आधार पर स्वर भेद या प्रकार ➢ प्रयत्न के आधार पर स्वर के भेद या प्रकार	१५ घंटे
IV	व्यंजनो के रूप <u>व्यंजन : व्यंजन भेद:</u> ➢ स्पर्शीयव्यंजन या वर्गीय व्यंजन ➢ अन्त:स्थ व्यंजन ➢ उष्म व्यंजन या संघर्षी व्यंजन <u>व्यंजन वर्ण के अन्य रूप</u> ➢ द्विगुण व्यंजन ➢ उक्षिप्त व्यंजन ➢ तोड़न जात व्यंजन ➢ फेका हुआ व्यंजन	१५ घंटे

BIRSA MUNDA TRIBAL UNIVERSITY Dist. Narmada RAJPIPLA

School of Arts
B.A. (ECONOMICS)Programme

V	व्यंजनों के रूप ➢ नुक्ता का प्रयोग, आगत व्यंजन, द्वित्व व्यंजन, आयोगवाह-अनुस्वार, विसर्ग, अनुनासिक-चन्द्र, स्वनिम चिह्न ➢ अनुनासिक और अनुस्वार में अन्तर ➢ पंचमाक्षर एवं उच्चारण स्थान टिप्पणियाँ ➢ 'मधुशाला' काव्य में अलौकिकता ➢ संयुक्त व्यंजन ➢ 'जो बित गई सो बात गई' कविता का शीर्षक ➢ चन्द्रबिन्दु ➢ 'कालिदास के प्रति' कविता का शीर्षक ➢ 'अकाल और उसके बाद'कविता का मध्यवर्ती विचार	१५ घंटे

Text Book(s)

1.

Reference Books

1. आधुनिक हिन्दी कविता का विकास: डॉ. हेतु भारद्वाज – पंचशील प्रकशन, जयपुर
2. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्बविधान : केदारनाथ सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ही
3. कविता का यथार्थ : परमानन्द श्रीवास्तव – आधार प्रकाशन, पंचकुला
4. कविता का जनपद : अशोक बाजपेयी - राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ही
5. कविता की तीसरी आँख : प्रभाकर श्रोत्रिय , नॅशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ही
6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ही
7. कवियों का कवि शमशेर : डॉ. रंजन अरगड़े, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ही
8. नयी कविताएँ और अस्तित्त्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. , नई दिल्ही
9. नयी कविता का परिप्रेक्ष्य : परमानन्द श्रीवास्तव – समानान्तर प्रकाशन, गोरखपुर
10. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरू.
11. आधुनिक हिन्दी व्याकरण/रचना : डॉ. वासुदेब नंदन प्रसाद, अग्रवाल

L:: Lecture, **T::** Tutorial , **P::**Practical

CCE:: Continuous and Comprehensive Evaluation

(CCE Theory includes Mid Semester Examination, Assignment, MCQ quizzes, Seminar, Reflective notes, class participation, case analysis and presentation, slip tests (announced/ surprised), attendance etc. or any combination of these)

PWE:: Practical Work Examination

(PWE includes Laboratory practical work, project work, viva simulation exercise work etc.)

SEE:: Semester End Evaluation

BIRSA MUNDA TRIBAL UNIVERSITY 54 Dist. Narmada RAJPIPLA